शिवा हत्याकाण्ड में मॉडल श्रद्धा समेत तीनों को 10 दिन के लिए भेजा गया जेल

एसटीएफ ने हजरतगंज पुलिस के सुपुर्द किया, पूछताछ में वकील से बात करने के लिए कहा

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकाण्ड की आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन और ड्राइवर को यूपी एसटीएफ ने गुरुवार को हजरतगंज पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर से अलग-अलग पूछताछ की। इसके बाद उसका मेडिकल कराया गया, फिर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे 10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। यूपी एसटीएफ ने श्रद्धा समेत तीनों आरोपियों को मंगलवार को नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया था। लखनऊ में 9 अक्टूबर को कारोबारी शिवा शर्मा की श्रद्धा के फ्लैट से गिरकर मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके बाद से श्रद्धा फरार चल रही थी। आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को कोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच जेल ले जाया जाया गया। कोर्ट से निकलने के बाद श्रद्धा ने पुलिस वैन में मीडिया के सामने हाथ जोड़ लिए। श्रद्धा ने पुलिस टीम उसे लेकर रवाना हुई। इस दौरान कोर्ट परिसर से लेकर जेल तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। नागपुर से गिरफ्तार कर लखनऊ लाया गया था। कोर्ट ने तीनों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि शिवा शर्मा हत्याकांड में नागपुर से गिरफ्तार तीनों आरोपियों को रिमांड पर लाकर विस्तृत पूछताछ की गई है। उनके पास से बरामद चार मोबाइल फोन और अन्य सामान को सील कर दिया गया है। इसकी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी।



पुलिस मददगारों की बनाएगी सूची:

फरारी में आरोपी श्रद्धा की किन लोगों ने किस तरह से मदद की, पुलिस इस बिन्दु पर भी काम कर रही है। नेपाल, आगरा, नागपुर और रायबरेली पहुंचने वाली श्रद्धा के कौन-कौन मददगार है। पुलिस इस पर भी काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि श्रद्धा की मदद करने वाले कुछ अफसर और सफेदपोश है। जिनके खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई करने के बजाय लीपापोती वाला काम कर रही है।

नेपाल और नागपुर क्यों गई थी, कैश कहां से आया इन बातों पर खामोश रही

शिवा शर्मा मौत के मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे पुलिस के सवालों का जवाब देने से बचती रही। पुलिस की पूछताछ में उसने कई अहम सवालों पर चुप्पी साधी रही। जब पुलिस ने उससे पूछा कि वारदात के बाद वह नेपाल और नागपुर कैसे पहुंची और उसके साथ कौन-कौन था, तो उसने सिर्फ इतना कहा, मेरे वकील से बात करिए, मुझसे नहीं। पुलिस ने पूछताछ के दौरान पुलिस ने श्रद्धा से यह जानने की कोशिश की कि बिना एटीएम से पैसे निकाले और बिना यूपीआई का इस्तेमाल किए उसके पास कैश कहां से आया। इस सवाल पर भी श्रद्धा ने चुप्पी साध ली और कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस यह भी जानना चाहती है कि नौ अक्टूबर की शाम आखिर क्या हुआ था। उस दिन शिवा शर्मा की मौत कैसे हुई और घटना के समय फ्लैट में कौन-कौन मौजूद था, लेकिन इन सवालों पर भी ने कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस के लिए यह पता लगाना अहम है कि वारदात के बाद आरोपी कहां गए, नेपाल और नागपुर कैसे पहुंचे और वहां से भारत लौट का रास्ता कैसे तय किया। नेपाल से लखनऊ आने के बारे में पूछे जाने पर भी श्रद्धा ने कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ के जरिए घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने की कोशिश कर रही है। **पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनी अहम कड़ी:** शिवा शर्मा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी इस मामले में अहम कड़ी बनी। 11 से 13 अक्टूबर के बीच सामने आई जानकारी के मुताबिक, रिपोर्ट में शिवा के शरीर पर 11 बाहरी चोटों और कई आंतरिक चोटों का उल्लेख था। इनमें करीब पांच चोटें पुरानी बताई गई थीं। इन चोटों को लेकर भी मामले में कई सवाल उठे। 14 से 15 अक्टूबर के बीच श्रद्धा दुबे का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आया। इसमें उसने शिवा की मौत को आत्महत्या बताया और खुद को निर्दोष कहा. हालांकि, पुलिस ने इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच जारी रखी।

पुलिसकर्मी पूरे रास्ते सतर्क हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी गई। मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश को कोर्ट में पेश किया गया। तीनों आरोपियों को

संक्षिप्त

डांडिया कार्यक्रम में दबंगों ने युवक को बेरहमी से पीटा

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। आशियाना के स्मृति उपवन में दशहरे पर आयोजित डांडिया कार्यक्रम से निकल रहे एक युवक पर पहले से मौजूद दबंगों ने हमला बोल दिया। युवक कुछ समझ ही नहीं पाया। दबंगों के हमले में युवक गंभीर रुप से जख्मी हो गया। उसकी शिकायत पर आशियाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। बिजनौर निवासी पीड़ित आर्यन चतुर्वेदी के मुताबिक, मंगलवार को दशहरा पर वह स्मृति उपवन में आयोजित डांडिया कार्यक्रम में शामिल होने गया था। उस रात करीब साढ़े 10 बजे जब वह स्मृति उपवन मैदान के गेट नंबर चार से बाहर निकला तो पहले से मौजूद दबंगों ने अचानक हमला बोल दिया। वह कुछ समझ ही नहीं पाए। आर्यन के मुताबिक दबंग देव सिंह चौहान ने कई साथियों के साथ मिलकर एक पुराने विवाद की वजह से उन पर हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से पीटकर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। उनके सिर पर गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद कुछ राहगीरों के बचाव करने पर आरोपी हमलावर जानमाल की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर देव सिंह समेत अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पड़ताल की जा रही है।

भाजपा पार्षद पर पिस्टल तानकर धमकी, प्रदर्शन

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। शारदा नगर वार्ड के भाजपा पार्षद हिमांशु अम्बेडकर को गुरुवार सुबह पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके विरोध में पार्षद अपने समर्थकों के साथ आशियाना थाने पहुंचे। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए आशियाना थाना परिसर में धरने पर बैठ गए। काफी मान मनौव्वल के बाद मामला ठंडा हुआ। शारदा नगर वार्ड के पार्षद हिमांशु अम्बेडकर की ओर से आशियाना पुलिस को दी गई लिखित तहरीर के अनुसार गुरुवार सुबह करीब सवा आठ बजे वह रतन खंड स्थित अपने कैंप कार्यालय पर मौजूद थे। इसी दौरान पांच से छह युवक उनके कार्यालय पर पहुंच गए। जातिसूचक शब्दों के साथ ही गालियां देते हुए उन पर आरोपियों ने पिस्टल तान दी। पार्षद को जान से मारने की धमकी दी। पार्षद के कार्यालय पर भीड़ जुटते ही आरोपी युवक मौके से धमकाते हुए फरार हो गए। खुद को हमले की कोशिश और पिस्टल तानकर जानमाल की धमकी दिए जाने से नाराज पार्षद हिमांशु अपने समर्थकों के साथ आशियाना थाने पहुंच गए। पार्षद और समर्थकों ने थाने पर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तार और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ ही देर में दूसरे पक्ष के लोग भी थाने पहुंच गए। दोनों पक्ष के लोग आमने सामने आ गए। आशियाना इंस्पेक्टर गजेंद्र कुमार राय ने बताया कि पार्षद और दूसरे पक्ष के बीच कहासुनी को लेकर विवाद हुआ था। मामले में दोनों पक्षों को समझा बुझाकर सहमति से समझौता करा दिया गया, जिसके बाद दोनों पक्ष वापस चले गए।

बिजली चोरी करते मिले तीन उपभोक्ता,एफआईआर

लखनऊ। मध्यांचल एमडी के निर्देश पर गुरूवार को राजधानी के बड़े विद्युत बकायेदारों व बिजली चोरों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें तीन उपभोक्ता डायरेक्ट केविल डालकर बिजली चोरी करते मिले। गोमती नगर क्षेत्र में रेड टीम ने उपकेन्द्र सेक्टर-4 गोमती नगर विस्तार के अन्तर्गत चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 28 उपभोक्ताओं के परिसरों को चेक किये गये। जिसमें से तीन उपभोक्ता जितेन्द्र कुमार प्रजापति निवासी सेक्टर-4 गोमतीनगर विस्तार,श्रीमती सन्नो निवासी शिवसिटी जुग्गौर व मुलायम सिंह निवासी सेक्टर-4 गोमती नगर विस्तार डायरेक्ट केविल जोड़कर बिजली चोरी करते मिले।

बाइक की टक्कर के बाद विशेष सुरक्षा बल के कांस्टेबल को पीटा, मुकदमा

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। पीजीआई में दबंगों ने अस्पताल में भर्ती पिता से मिलने जा रहे उप्र. विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) के कांस्टेबल करन सिंह यादव को घेरकर बेरहमी से पीटा। आरोप है कि बाइक की टक्कर के बाद यूपी 112 पर पुलिस से शिकायत करने से नाराज युवक ने अपने आठ से 10 साथियों को बुलाकर जवान पर लाठी डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में जवान के सिर, सीने और रीढ़ की हड्डी में चोटें आईं। पीजीआई पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बाराबंकी मसौली के जवारीपुर गांव निवासी करन सिंह यादव यूपीएसएसएसएफ की पहली बटालियन में आरक्षी हैं, जो कि लखनऊ में तैनात हैं। उनके पिता के ब्रेन ट्यूमर का ऑपरेशन पीजीआई में हुआ है। बुधवार दोपहर करीब एक बजे करन छुट्टी लेकर स्कूटी से पिता को देखने पीजीआई जा रहे थे। वृंदावन इलाके में कालिंदी पार्क मोड़ के पास बिना नंबर प्लेट वाली बाइक सवार युवक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। करन के मुताबिक टक्कर का विरोध करने पर बाइक सवार युवक उनसे उलझ गया। धमकी देने लगा। उन्होंने यूपी 112 पर पुलिस को सूचना दी तो आरोपी ने अपने कई साथियों को बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर करन को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

जेबकतरे ने 1.35 लाख रुपये लूटने का किया प्रयास

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। विभूतिखण्ड में गुरुवार दोपहर लिफ्ट लेने के बहाने एक युवक ने बाइक सवार दुकान कर्मचारी की जेब काट दी। आरोपी ने नोटों की गड्डी छीनने का प्रयास किया, लेकिन कर्मचारी के बाइक रोकते ही वह छलांग लगाकर भागने लगा। इस दौरान नोट सड़क पर बिखर गए और कर्मचारी भी गिर पड़ा। उधर, घटना की सूचना मिलते ही दुकान मालिक ने 1.35 लाख रुपये लूटे जाने की जानकारी पुलिस को दे दी। हालांकि, सीसी फुटेज की जांच में लूट की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

गन्ना संस्थान के गेट पर धरने पर बैठे राकेश टिकैत

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में किसानों की महापंचायत से पहले भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत समर्थकों के साथ गन्ना संस्थान के गेट पर धरने पर बैठ गए। किसानों की महापंचायत शुक्रवार को प्रस्तावित है, लेकिन आयोजन की अनुमति नहीं मिलने के कारण राकेश टिकैत ने एक दिन पहले ही धरना शुरू कर दिया। गन्ना संस्थान के गेट पर ताला लगा होने से भी वह नाराज नजर आए। किसानों की महापंचायत के आयोजन को लेकर गन्ना संस्थान में अनुमति नहीं मिलने के बाद राकेश टिकैत समर्थकों के साथ गेट पर पहुंच गए। वहां ताला लगा देखकर उन्होंने विरोध जताया और धरने पर बैठ गए। उन्होंने प्रशासन से गेट खुलवाने की मांग की। धरने में बैठे किसान नेताओं ने गन्ना आयुक्त के खिलाफ' गन्ना आयुक्त होश में आओ' के नारे लगाए। राकेश टिकैत ने ऐलान किया कि जब तक गन्ना संस्थान का गेट नहीं खुलेगा, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

राजधानी में डेंगू का प्रकोप जारी, 22 नये मरीज मिले

लखनऊ। राजधानी में डेंगू के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। गुरूवार को विभिन्न इलाकों के 22 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुयी है। डेंगू के सर्वाधिक छह मरीज इन्दिरानगर इलाके में मिले हैं। इसके अलावा चन्दरनगर और अलीगंज में पांच-पांच,चिनहट में दो मरीज मिले हैं। जबकि ऐशबाग, सरोजनीनगर, एनके रोड व रेडक्रास इलाके में एक-एक मरीज मिला है। मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की चिन्ता बढ़ा दी है। अस्पतालों में डेंगू मरीजों के इलाज के लिए अलग वार्ड तैयार किये गये हैं। मच्छरदानी में मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु सरकारी अस्पतालों में बीआरडी व रानी लक्ष्मीबाई सहित अन्य अस्पतालों में मच्छरदानी में मरीज भर्ती किये जा रहे हैं। मरीजों को भी मच्छरों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। सीएमओ डॉ.एन.बी. सिह ने बताया कि डेंगू के लक्षण मिलने पर मरीज जांच करा सकते हैं। यहां डेंगू की जांच मुफ्त उपलब्ध है। मरीजों को इलाज के दौरान जरूरी दवाएं भी मुफ्त दी जा रही हैं। बुखार के साथ शरीर में तेज दर्द, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द या कमजोरी होने पर डॉक्टर से सलाह लें।

110 घरों में स्वास्थ्य सर्वेक्षण कर बांटी दवायें

लखनऊ। नगरीय पीएचसी फैजुल्लागंज की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.आसमा के निर्देश पर गुरूवार को क्षेत्रीय आशा एवं एएनएम की टीम ने फैजुल्लागंज क्षेत्र के मिल्लतनगर कच्ची ढाल व कृष्ण लोक नगर के 110 घरों में स्वास्थ्य सर्वेक्षण कर आवश्यक दवायें,क्लोरीन गोलियों व ओआरएस पैकेट का वितरण किया। जबकि मोबाइल मेडिकल यूनिट ने मिल्लतनगर कच्ची ढाल मे 32 और परागी मन्दिर में 31 जनसामान्य को चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किया।

महिला को मृत दिखाकर करोड़ो का प्लॉट हड़पा, मुकदमा

गाजीपुर पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। गोमती नगर के विरामखंड स्थित करोड़ों रुपये के प्लॉट को हड़पने के लिए महिला को दस्तावेजों में मरा हुआ दिखा दिया। श्रम विभाग में कार्यरत पति के निधन से पहले मृत दिखाकर जाली मृत्यु प्रमाण पत्र के जरिए वारिस प्रमाण पत्र बनवाया गया। उसके बाद एक महिला को बेटी व फर्जी वारिस बनाकर प्लॉट बेचा गया। इस मामले में दर्ज मुकदमे पर गाजीपुर पुलिस ने एक आरोपी बाजारखाला पुराना हैदरगंज लकड़मंडी निवासी फहीम खान को डालीबाग इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस फर्जीवाड़े में शामिल एक आरोपी रितिक अवस्थी को पूर्व में जेल भेजा जा चुका है। गोमती नगर इंस्पेक्टर ब्रजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि बांदा सिविल लाइंस की राखी सिंह गाजियाबाद में रहती हैं। उन्होंने 27 जुलाई को फर्जीवाड़े समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनके मुताबिक अगस्त 2003 में बेटी कात्यायनी सिंह के साथ मिलकर विरामखंड में 12 लाख रुपये का प्लॉट खरीदा था। रजिस्ट्री के समय उनकी बेटी नाबालिग थी। वर्ष 2019 में कात्यायनी की शादी शैलेश सिंह से हो गई। मां बेटी ने कभी इस प्लॉट किसी को नहीं बेचा, न ही किसी को पावर ऑफ अटॉर्नी दी। राखी को 19 जुलाई को पता चला कि रायबरेली इचौली सुभाषखेड़ा की किसी महिला ने कात्यायनी सिंह पत्नी योगेंद्र सिंह बनकर ब्रजेश कुमार सिंह को 18 अगस्त 2008 और राखी को 18 सितंबर 2008 को मृत दिखाया। उसके बाद नगर पालिका बांदा का 20 अक्तूबर 2008 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर खुद को अकेला वारिस दिखाया। फिर 22 दिसंबर 2008 को डीएम लखनऊ कार्यालय से फर्जी वारिस प्रमाण पत्र बनवा लिया। जाली दस्तावेज तैयार कर पहले प्लॉट अपने नाम कराया। उसके बाद नई दिल्ली मयूर विहार स्थित क्यूएआईपीएल प्रा.लि. ने मई 2024 में रजिस्ट्री नोएडा सेक्टर 20 निवासी ललित चंद्र को कर दी। पुलिस ने बताया कि फर्जीवाड़े में शामिल तीन नामजद और एक महिला की तलाश की जा रही है।

जालसाजों ने नीट में दाखिला के नाम पर 36 लाख हड़पे

गोमतीनगर विस्तार में मुकदमा दर्ज

लखनऊ (आज समाचार सेवा)। गोमती नगर विस्तार में जालसाजों ने एक महिला से बेटी को नीट के जरिए बंगलुरु के एक कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर 36 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। जालसाजों ने एडवांस, फर्जी अलाटमेंट लेटर आदि देकर पीड़िता को जाल में फंसाया। घर से 10 लाख रुपये नकद हवाला के जरिए मंगवाया। आरोपी से पीड़िता का संपर्क इंस्टाग्राम पर चल रहे एक विज्ञापन के जरिए हुआ था। उनकी शिकायत पर डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा के आदेश पर गोमती नगर विस्तार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोमती नगर विस्तार के ग्रीनवुड अपार्टमेंट की सुमन कटियार ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश चाहती थी। इसके लिए एक अक्तूबर को पीड़िता की बेटी ने इंस्टाग्राम पर डॉक्टर एडमिशन डेस्क नाम से विज्ञापन देखा। बेटी ने क्लिक करने के बाद दिए गए फार्म पर डिटेल भरी तो तीन मोबाइल नंबर मिले। संपर्क करने पर जालसाज ने खुद को काउंसलर बताकर अपने जाल में फंसाया। आरोपी ने दाखिला दिलाने के लिए उनकी बेटी के मेल पर बंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएमसी आरआई) के पेपर दिखाकर भरोसा जीता। भरोसा होने पर मां सुमन ने जालसाजों से बातचीत शुरू की। इसके बाद जालसाजों ने उन्हें कॉलेज के प्रधानाचार्य की फर्जी मेल आईडी से मैसेज तक किए। जालसाजों ने सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिले के नाम पर 30 लाख रुपये की मांग की। जालसाजों ने छह लाख रुपये टोकन मनी, शेष 24 लाख रुपये दाखिले के समय देने कहा। आरोपियों ने उनसे नीट काउंसिलिंग संबंधित दस्तावेज और अन्य जानकारी हासिल कर ली। जालसाजों ने सीट बुकिंग के नाम पर तीन लाख ऑनलाइन ट्रांसफर कराकर कॉलेज के नाम से एक फर्जी अलाटमेंट लेटर पीड़िता को भेज दिया, जिसमें रिपोर्टिंग तारीख 10 अक्तूबर बताई। साथ ही घर का पता और लोकेशन लेकर एक व्यक्ति को वहां भेजकर हवाले के जरिए 10 लाख रुपये नकद लिए।

उन्होंने बताया कि कई बार में आरोपियों को नकद व खाते में 26 लाख 89,646 रुपये वसूले। कुल 36 लाख रुपये से अधिक ले लिए। जब 10 अक्तूबर को पीड़िता और बेटी बंगलुरु के बीएमसीआरआई पहुंची तो पता चला कि सभी पत्र फर्जी हैं। इस मामले में पुलिस ने सुमन की शिकायत पर विजय कुमार, अभिषेक, तरुण और राघवेंद्र चौधरी के खिलाफ धोखाधड़ी, आईटी एक्ट की एफआईआर दर्ज की है।

राजा रामचंद्र की नगर शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

भक्ति के रंग में रंगी राजधानी, आरती उतार कर प्रभु का किया स्वागत

लखनऊ। राजधानी में आज ऐतिहासिक ऐशबाग रामलीला मैदान से राजसी वैभव के साथ राजा रामचन्द्र की नगर दर्शन यात्रा निकाली गयी।इस यात्रा में मुख्य स्वर्ण रथ पर भगवान श्रीराम माता सीता, लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न के साथ श्री बजरंगबली हनुमान के विग्रह विराजमान किए गए थे। श्री रामलीला समिति द्वारा निकाली गई शोभा यात्रा में से बत्तीस रथों पर रामायण के विभिन्न पात्रों के रूप में कलाकारों को विराजमान किया गया था। इसके अलावा दस घोड़सवार भी राजसी परिधानों में यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे।इन्ही के बीच दो विंटेज कारों पर पंद्रह वानर भालू बने कलाकारों का दल भी मौजूद था। जिन्हे देख बच्चे बहुत उत्साहित हुये।ढोल नगाड़ों, बैंड और डीजे के गीत संगीत की धुनों और रंगीन लाइटों से जगमग करती हुई निकली शोभा यात्रा को देखने के लिए सड़क की दोनो पट्टियों पर लोगों की भीड़ एकत्रित थी। जिसमे हर संप्रदाय के लोग आस्था के साथ श्रीराम की नगर दर्शन यात्रा का अवलोकन कर रहे थे।बत्तीस अन्य रथों पर माता सीता के साथ प्रभु श्रीराम उनके भाई भरत लक्ष्मण शत्रुघ्न के साथ बजरंगबली जी के स्वरूप में कलाकार भी रथों पर विराजमान होकर यात्रा को शोभायमान कर रहे थे।श्रीराम के संग गणेशजी व ऋद्धि सिद्धि तुलसीदास देवऋषि नारद व इंद्र देव रामलला के साथ सूर्य देव ब्रहमा जी सरस्वती देवी माँ दुर्गा व काली भगवान शंकर व पार्वती श्री लक्ष्मी नारायण वशिष्ठ दी।राजा रामचंद्र जी की नगर दर्शन



विश्वमित्र परशुराम श्री राधाकृष्ण निषाद राज व जामवंत नल नील सुग्रीव अंगद विभीषण व सुमंत्र राजा जनक और सुनैना माता कौशल्या कैकई व सुमिता के साथ ही माण्डवी उर्मिला व श्रुतकीर्ति के रथ भी सड़को पर शोभायात्रा देखने वाली भीड़ को आकर्षित करते दिखे। रामायण के चरित्र पात्रों के देखने के लिए पूरे यात्रा मार्ग की सड़कों से लेकर छतों तक लोगों की भीड़ दिखाई शोभायात्रा ऐशबाग रामलीला मैदान से निकल कर पीली कालोनी होते हुए वाटर वर्क्स रोड, कोयला मंडी, यहियागंज, राजा बाजार, सुभाष मार्ग, रकाबगंज, नादान मदल मार्ग से होते हुए वर्मा स्टॉप स्थित माता धर्मध्वजी देवी मंदिर तक पहुंची लोगों ने जगह -जगह यात्रा का स्वागत किया और अपने आराध्य भगवान श्रीराम की आरती अर्चना की।

14 पीपीएस अफसरों का तबादला

लखनऊ। योगी सरकार ने गुरुवार देर रात प्रशासनिक विभाग में फेरबदल किया है। सीएम के आदेश पर शासन ने आठ एडीएम, पांच एसडीएम समेत 14 पीसीएस अफसरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इसके अलावा दो अपर नगर आयुक्त और एक सहायक नगर आयुक्त का भी ट्रांसफर किया गया है। अचानक हुए इस फेरबदल में अफसरों के बीच काफी चर्चा बनी हुई है। शासन की ओर से जारी सूची के मुताबिक, एडीएम झांसी रहे शिव प्रताप शुक्ल को मुख्य निर्वाचन अधिकारी विशेष कार्याधिकारी, एडीएम आजमगढ़ रहे संजय चावला को एडीएम (प्रशासन) झांसी, एडीएम (प्रशासन) रायबरेली रहे सिद्धार्थ को एडीएम (प्रशासन) आजमगढ़, एसडीएम गोंडा रहे अशोक कुमार गुप्ता को रायबरेली का अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), लखनऊ नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त रहे विकास सिंह को एसडीएम गोंडा, प्रयागराज अपर नगर आयुक्त रहे राजीव कुमार शुक्ला को अपर जिलाधिकारी आजमगढ़, उन्नाव के एसडीएम रहे देवेंद्र प्रताप सिंह को अपर नगर आयुक्त प्रयागराज, अपर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर रहे गौरव श्रीवास्तव को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय विशेष कार्याधिकारी बनाया है। इसी तरह अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) इटावा रहे संदीप कुमार श्रीवास्तव को सिद्धार्थनगर का अपर जिलाधिकारी, जालौन एसडीएम रहे मनोज प्रकाश को इटावा में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), लखनऊ एसडीएम रहे अंकित शुक्ला को कानपुर देहात का अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), आजमगढ़ अपर जिलाधिकारी रहे नरेंद्र सिंह को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) कानपुर देहात, प्रयागराज एसडीएम रहे आत्मस्वरूप श्रीवास्तव को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सहारनपुर और अपर नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ रहे अभिनव रंजन श्रीवास्तव को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी के पद पर तैनात दी गई है।

विधान परिषद चुनाव:शिक्षक और स्नातक पद के लिये आज मतदान

स्नातक के लिये 96070और शिक्षक के लिये 116491मतदाता करेंगे मताधिकार का उपयोग, पोलिंग पार्टियां रवाना

राजधानी में बनाये गये 259 मतदान केंद्र , पोलिंग पार्टियां रवाना

लखनऊ।शिक्षक और स्नातक पद के विधान परिषद चुनाव के लिये आज राजधानी के रमाबाई मैदान से 259 मतदान केन्द्रों के लिये पोलिंग पार्टियां रवाना हुई। बताते चलें कि शिक्षक निर्वाचन के लिये एक लाख सोलह हजार चार सौ इक्यानवे मतदाता और स्नातक पद के चुनाव के लिये छियानवें हजार सत्तर मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे।निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिये रमाबाई मैदान से पोलिंग पार्टियां रवाना हुई। चुनाव के मद्देनजर आज दोपहर जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया।उन्होंने आवश्यक निर्वाचन सामग्री सुविधाओं एवं अन्य



पोलिंग पार्टियों की रवानगी के वितरण कार्मिकों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुचारु रूप से सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।पोलिंग पार्टियों की रवानगी के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा केंद्रीय विद्यालय अलीगंज मॉडर्न स्कूल अलीगंज सहित जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पोलिंग पार्टियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मतदान कार्मिकों से संवाद कर आवश्यक जानकारी प्राप्त किया।उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने तथा किसी भी समस्या का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिये। चुनाव के मद्देनजर जारी आदेशों के क्रम में कई आदेश दिए गए हैं। मतदान केन्द्र के बाहर की व्यवस्था-मतदान केन्द्र 100 मीटर के बाहर ही पार्टी टेबल लग सकता है और 100 मीटर के अंदर कोई टेबल, पोस्टर, झंडा, लाउडस्पीकर, प्रचार सामग्री पूरी तरह से प्रतिबन्धित रहेगा तथा 100 मीटर के अंदर अनाधिकृत वाहन, भीड जमा नहीं हो सकता है।

विधान परिषद चुनाव को लेकर आज और सत्ताइस को बन्द रहेंगी शराब बिक्री

लखनऊ। द्विवार्षिक विधान परिषद निर्वाचन-2026 के मद्देनजर जनपद लखनऊ में शराब की बिक्री पर दो दिन प्रतिबंध रहेगा। जिलाधिकारी विशाख जी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जारी आदेश संख्या 2645 / जि0आ0श0 / दुकान बंदी / 2026-27 दिनांक 19 अक्टूबर 2026 के अनुसार, 23 अक्टूबर 2026 को मतदान दिवस और 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना दिवस के मौके पर जिले की सभी देशी शराब, अंग्रेजी शराब, मॉडल शॉप, भांग, ताड़ी की दुकानें, बार, बीयर शॉप, एफएल-16/17, एफएल-9/9ए, सैनिक कैंटीन और सभी प्रकार के भांग व मदिरा की फुटकर बिक्री वाले प्रतिष्ठान पूर्णतया बंद रहेंगे।डीएम ने कहा है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान और मतगणना तथा लोक शांति बनाए रखने के लिए आबकारी अधिनियम 1910 की धारा-59 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-135(ग) के तहत यह प्रतिबंध लगाया गया है।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी अनुज्ञापन धारक मतदान दिवस 23 अक्टूबर और मतगणना दिवस 27 अक्टूबर को अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रखेंगे। खुला पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और इसके लिए कोई प्रतिफल देय नहीं होगा। इसके अलावा जिलाधिकारी विशाख जी के आदेशों के तहत कल मतदान के मद्देनजर नर्सरी से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों को बन्द किया गया। आदेश का अनुपालन न करने वालों पर कार्रवाई की जायेगी।